IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, September 2023

पर्यावरण और समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

प्रोफेसर (डॉ०) जय किरन
राजकीय गर्ल्स कॉलेज आँवलखेड़ा आगरा

प्रस्तावना

हम जिस वातावरण और परिवेश के चारों ओर से घिरे हैं उसे पर्यावरण कहते हैं। पर्यावरणीय समाजशास्त्र यह शब्द दो शब्दों पर्यावरण और समाजशास्त्र का संयोजन है यहां पर्यावरण का तात्पर्य लोगों, अन्य जीवों, भूमि, पानी हवा एवं धरती पर उपलब्ध हर उस आवश्यक वस्तु के परस्पर संबंध से है, जो भौतिक जीवन के लिये अति आवश्यक है। वहीं समाजशास्त्र उस समाज के व्यवस्थित अध्ययन की विधा है जिसमें हम रहते हैं। इसका संबंध लोगों समूहों, संस्थानों, उनके परस्पर संबंध–संवाद और इनके परिणामों तथा सामाजिक ढांचे के हर उस पहलू से है, जो सामाजिक जीवन के लिये जरूरी हैं इससे सामान्यतः यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि पर्यावरणीय समाजशास्त्र मानव समाज और उनके भौतिक पर्यावरण के संबंधों के अध्ययन का तरीका है, जिसे आर उनलप और केटन ने सामाजिक पर्यावरणीय संबंध कहा है (Dunlap and Rosa 2000-Encyclopeda, 2000)। समाज और पर्यावरण के ये संबंध और परस्पर क्रिया–प्रतिक्रिया एक दूसरे को गहरे स्तर पर प्रभावित करते हैं। पारस्परिक क्रियाओं का परिणाम ही पर्यावरणीय चिंताओं और समस्याओं के तौर पर उभरकर सामने आया है। वैश्विक मौसम परिवर्तन, मृदा गुणवत्ता में गिरावट, जैवविविधता का ह्रास, ओजोन परत को हानि, ठोस कचरा प्रदूषण, अम्ल वर्षा जलस्तर में गिरावट जैसी कई गंभीर पर्यावणीय चिंताएं लगातार बढ़ना इसके बड़ी उदाहरण हैं।

सन्दर्भ (References)

[1]. Edition- Thousand Oaks- Pine Forge Press- CA: Sage Publications. India- Chapter–1, (pp-1–29)
[2]. Dunlap, RE and Eugene A. Rosa. 2000- Environmental Sodology.entry in Encydopedia of Sociology. 2nd Edition. Vol.2. edited by E.F. Borgatta and Rhonda JV. Montgomery. Macmillan Reference USA- (pp-800–813)
[3]. Hannigan, JA. 1995. Environmental Socidogy. 2nd Edition Routledge London and New York. Chapters–1–2 (pp- 1–35)
[4]. Hadhiya N. 2006. The History and the Present of Minimata Disease– Entering the Second Half of a Century. artide in MAJ. March 2006. Vol.49. No.3. (pp. 112–118)
[5]. Pellow, D.N. and H.N. Brehm. 2013. An Environmental Sociology for the Twenty–First Century-artide in Annual Review of Soddogy. 2013.39. (pp. 229–250)
[6]. Schnaberg, A. 1975. Social Synthesis of the Societal – Environmental Dialectic The Role of Distributional Disputes. atide in Social Sdence Quarterly. June 1975 Vol. 56. No. 1. (pp. 1–7)
[7]. White, R. 2004. Controversies in Environmental Sociology. Cambridge University Press Introduction (pp. 1–7).